स्वामी रामानंद तीर्थ
मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

"ज्ञानतीर्थ" , विष्णुपुरी, नांदेड.

एम. फिल.(हिंदी) पाठ्यक्रम

जून २०१५ से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१५ से आगे)

==========

पाठ्यक्रम : १ अनुसंधान की प्रक्रिया : शोधतंत्र — अंक १०० (८० + २०)

पाठ्यक्रम : २ समीक्षा की विभन्नन पद्धतियाँ — अंक १०० (८० + २०)

पाठ्यक्रम : ३ अनुवाद प्रक्रिया एवं तुलनात्मक अनुसंधान — अंक १०० (८० + २०)

पाठ्यक्रम : ४ विधा, रचना या रचनाकार का पवृत्तिगत अध्ययन — अंक १०० (८० + २०)

(पाठ्यक्रम ४ में पाँच प्रश्न पत्र होंगे जो एक दूसरे के विकल्प में होंगे।
इनमें से प्रतिवर्ष एक नया प्रश्न पत्र लेना होगा।)

लघुशोध प्रबंध — अंक ८०

मौखिकी — अंक २०

कुल अंक - १००

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१५ से आगे)

पाठ्यक्रम - १

==========

पाठ्यक्रम :१ अनुसंधान की प्रक्रिया : शोधतंत्र

क) शोधस्वरूप एवं महत्त्व

ख) शोध एवं आलोचना

ग) शोधकर्ता

घ) शोधनिर्देशक

च) प्राक्कल्पना

छ) शोधप्रबंध के अंक - पूर्वानुबंध, मध्यभाग, पश्चानुबंध

ज) उद्धरण

झ) पाद्टिप्पणी

ट) भाषा वैज्ञानिक शोध

ठ) पाठ शोध

ड) सर्वेक्षण

ढ) अनुसंधान कार्य में कम्प्युटर की उपयोगिता

सहाय्यक ग्रंथ :

१. हिंदी अनुसंधान - डॉ. विजयपाल सिंह, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली.

२. शोध प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली.

३. अनुसंधान का स्वरूप - डॉ. भ.ह. राजूरकर, डॉ. राजमल बोरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

४. साहित्यिक शोध के आयाम - डॉ. भ.ह. राजूरकर, डॉ. राजमल बोरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

पाठ्यक्रम :१ अनुसंधान की प्रक्रिया : शोधतंत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

संपूर्ण **पा**ठ्यक्रम पर विकल्प के साथ तीन २०-२० अंक के दीर्घोत्तरी प्रश्न	२० ×३ = ६०
प्रश्न क्र. ४ टिप्पणियाँ	१० ×२ = २०
चार टिप्पणियाँ दी जाएगी दो लिखनी होगी अंक	
अंतर्गत मूल्यांकन २० अंक	२०

	१००

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१५ से आगे)

पाठ्यक्रम - २

==========

पाठ्यक्रम :२ समीक्षा की विभन्नन पद्धतियाँ

अ) आलोचना परिभाषा और स्वरूप

ब) हिंदी आलोचना : विकासात्मक अध्ययन

१) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना

२) द्विवेदी काल : सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक रूपों का विकास और उत्कर्ष

३) छायावाद और उसके बाद की हिंदी आलोचना

४) आलोचना की नई दिशाएँ

क) हिंदी के प्रमुख आलोचक

१) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

३) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

४) डॉ. रामविलास शर्मा

५) डॉ. नामवर सिंह

६) डॉ. मॅनेजर पाण्डेय

ड) आलोचना की दृष्टियाँ

१) सौंदर्यवादी आलोचना

२) ऐतिहासिक आलोचना

३) मनोवैज्ञानिक आलोचना

४) मार्क्सवादी आलोचना

५) तुलनात्मक आलोचना

इ) विभिन्न वाद :

१) आदर्शवाद	२) यथार्थवाद
३) बिम्बवाद	४) प्रतीकवाद
५) अभिव्यंजनवाद	६) अस्तित्ववाद
७) कलावाद	८) संरचनावाद

सहाय्यक ग्रंथ :

१. हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार - डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

३. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी - डॉ. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

४. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत - डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

५. हिंदी आलोचना के आधारस्तंभ - रामेश्ववर खंडेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

६. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र : इतिहास, सिद्धांत, वाद - भगिरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

७. नया काव्यशास्त्र - भगिरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

८. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - डॉ. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

९. हिंदी साहित्य का नवीन इतिहास - डॉ. लालसिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम - २ समीक्षा का विभिन्न पद्धतियाँ

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

पाठ्यक्रम के अ, ब, क, एवं ड विषय पर विकल्प के साथ तीन २० -२०

अंक के दीर्घोत्तरी प्रश्न	२० × ३ = ६०
प्रश्न क्र. ४ टिप्पणियाँ	
पाठ्यक्रम के इ अंश पर चार टिप्पणियाँ दी जाएगी दो लिखनी होगी अंक	१० ×२ = २०
अंतर्गत मूल्यांकन २० अंक	२०

	१००

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१५ से आगे)

पाठ्यक्रम - ३

==========

पाठ्यक्रम - ३ अनुवाद प्रक्रिया एवं तुलनात्मक अनुसंधान

अ) अनुवाद की अवधारणा

ब) अनुवाद के प्रकार -

१) प्रकृति के अनुसार - शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, छायानुवाद, टीकानुवाद, वार्तानुवाद

२) विषय वस्तु की दृष्टि से - काव्यानुवाद, कथा साहित्य का अनुवाद

क) अनुवाद की समस्याएँ

ड) अनुवादक के गुण

इ) तुलनात्मक साहित्य : परिभाषा और स्वरूप

उ) तुलनात्मक अनुसंधान की आवश्यकता एवं महत्त्व

च) एक भाषा की दो कृतियों की तुलना

छ) भिन्न भाषा की एक विधा की दो कृतियों की तुलना

ज) एक भाषा के दो रचनाकारों की तुलना

झ) भिन्न भाषा के दो रचनाकारों की तुलना

सहाय्यक ग्रंथ :-

१.	तुलनात्मक साहित्य	-	इंद्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
२.	तुलनात्मक साहित्य	-	एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, विद्याविहार प्रकाशन, नई दिल्ली.
३.	तुलनात्मक साहित्य	-	डॉ. राजमल बोरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली.
४.	तुलनात्मक शोध और समीक्षा	-	डॉ. पी. आदेश्वरराव, प्रगति प्रकाशन, आगरा
५.	तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ	-	डॉ. भ. ह. राजूरकर, डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
६.	अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग	-	डॉ. जी. गोपीनाथन्, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

पाठ्यक्रम - ३ अनुवाद प्रक्रिया एवं तुलनात्मक अनुसंधान

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

संपूर्ण पाठ्यक्रम पर २० - २० अंक के तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	२० × ३ = ६०
संपूर्ण पाठ्यक्रम पर चार टिप्पणियाँ दी जाएगी दो लिखनी होगी	१० × २ = २०
अंतर्गत मूल्यांकन २० अंक	२०

	१००

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१५ से आगे)

पाठ्यक्रम - ४

==========

पाठ्यक्रम - ४ विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन

(पाठ्यक्रम ४ में पाँच प्रश्न पत्र होंगे जो एक दूसरे के विकल्प में होगे।

इनमें से प्रतिवर्ष एक नया प्रश्न पत्र लेना होगा ।)

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन - (आधुनिक कविता)

१) आधुनिक कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) आधुनिक कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास

३) यशोधरा - मैथिलीशरण गुप्त

४) कवितासंग्रह - चाँद का मूँह टेढ़ा है - मुक्तिबोध

सहाय्यक ग्रंथ :

१.	हिंदी महाकाव्य सिद्धांत और मूल्यांकन	-	देवीप्रसाद गुप्त, अपोलो पब्लिकेशन, जयपुर
२.	महाकाव्य विवेचन	-	डॉ. रांगेय राघव, सूर्यप्रकाशन मंदिर, बिकानेर
३.	हिंदी साहित्य का इतिहास	-	डॉ. रामचंद्र शुक्ल
४.	हिंदी साहित्य का इतिहास	-	डॉ. नगेंद्र, मयुर प्रकाशन, नौएडा
५.	हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ	-	डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई सडक नई दिल्ली.
६.	समकालिन कविता : विचार -आत्मकथा	-	विरेंद्रसिंह, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
७.	मुक्तिबोध : साहित्य एक अनुशीलन	-	डॉ. शशि शर्मा
८.	मुक्तिबोध का रचना संसार	-	गंगाप्रसाद विमल
९.	चॉद का मूँह टेढ़ा है - प्रामाणिक अध्ययन	-	राकेश
१०.	मुक्तिबोध की कविताई	-	अशोक चक्रधर

पाठ्यक्रम - ४ विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन

प्रस्तुत प्रश्नपत्र में पाँच प्रश्नपत्र विकल्प के साथ होंगे। महाविद्यालय को प्रत्येक वर्ष में अलग प्रश्न लेना होगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

संपूर्ण पाठ्यक्रम पर २० -२० अंक के तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	२० × ३ = ६०
संपूर्ण पाठ्यक्रम पर चार टिप्पणियाँ दी जाएगी दो लिखनी होगी	१० × २ = २०
अंतर्गत मूल्यांकन २० अंक	२०

	१००

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन - (उपन्यास)

१) हिंदी उपन्यास विधा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) हिंदी उपन्यास का विकासात्मक अध्ययन

३) नाच्यो बहुत गोपाल - अमृतलाल नागर

४) जंगल जहाँ से शुरू होता है - संजीव

सहाय्यक ग्रंथ :

१)	उपन्यास कला	-	प्रताप नारायण टंडन
२)	हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास	-	हेतु भारद्वाज, डॉ. सुमनलता, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन - (नाटक)

१) हिंदी नाटक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) हिंदी नाटक का विकासात्मक अध्ययन

३) चेहरे - शंकर शेष

४) सूरज की पहली किरण से सूरज की अंतिम किरण तक - सुरेंद्र वर्मा

सहाय्यक ग्रंथ :

१)	हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास	-	डॉ. हेतु भारद्वाज, डॉ. सुमनलता, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
२)	नाटक विधा की शिल्पविधी का विकास	-	
३)	शंकर शेष का नाटक साहित्य	-	डॉ. प्रकाश जाधव, साहित्य रत्नालय प्रकाशन, कानपुर
४)	रंगधर्मी नाटककार, शंकर शेष	-	डॉ. प्रकाश जाधव, विकास प्रकाशन, कानपुर
५)	शंकर शेष का नाट्यसृजन	-	डॉ. प्रकाश जाधव, समता प्रकाशन, कानपुर

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन - (दलित विमर्श)

१) दलित साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) दलित साहित्य की विशेषताएँ

३) कहानी संग्रह - संघर्ष - सुशीला टाकभौरे, शरद प्रकाशन, शील - २, गोपाल नगर, तिसरा बसस्टॉप, नागपूर - ४४००२२.

४) आत्मकथा - मुरदहिया - तुलशीराम

सहाय्यक ग्रंथ :

१)	दलित क्रांति का साहित्य	-	डॉ. श्यौराजसिंह बेचैन, संगीता प्रकाशन, दिल्ली.
२)	दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	-	ओमप्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
३)	दलित साहित्य की भूमिका	-	हरपालसिंह 'अरूण', जवाहर पुस्तकालय, सदर बाजार, मथुरा, उत्तरप्रदेश
४)	दलित विमर्श की भूमिका	-	कमलभारती, साहित्यबोध प्रकाशन, इलाहाबाद
५)	दलित विमर्श	-	नृसिंहदास वनकर, चिंतन प्रकाशन, कानपूर

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन - (स्त्री विमर्श)

१) स्त्रीवादी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) स्त्रीवादी साहित्य की विशेषताएँ

३) उपन्यास - छिन्नमस्ता - प्रभा खेतान

४) कविता संग्रह - सात भाइयों के बीच चम्पा - कात्यायनी

सहाय्यक ग्रंथ :

१)	स्त्री विमर्श के असली नकली चेहरे	-	डॉ. ब्रजकुमार पांडे, साहित्य संसद, नई दिल्ली
२)	समकालिन महिला लेखन	-	डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, पूजा प्रकाशन, नई दिल्ली
३)	स्त्री सशक्तिकरण के विविध आयाम	-	संपादक डॉ. ऋषभदेव शर्मा, गीता प्रकाशन, हैद्राबाद
४)	स्त्री का समय	-	क्षमा शर्मा, मेधा बुक्स, नई दिल्ली

* * * * *